

25-03/2013

तारीख
हुक्म

हुक्म या कार्यवाही अथ इतिशियत्य जज

संभव त त
अहकाम पी।
की तारीख में

25-03-2013 वकील आशुतोष उपाध्याय।
 भूषण के शादेशानुसार विधायी के
 विवाद खतरनाक कार्यवाही चारित की
 जाती है तदनुसार, वकील आशुतोष
 को बंधन मुक्त गरी जौल महसुस पर
 पत्र कीमा तथा पत्रावली पर
 उपरोक्त शब्दों के रेकर्ड, पत्रावली आदि
 इत्यादि का ब्यौता कीमा + ब्यौता
 प्राप्त कि आशुतोष को आदि से
 अपने आप को धूमिल की वारिज
 यतो इत विवादित इति दुर्गती का
 आधार लेत खतरनाकी कार्यवाही
 की होयगा तब ब्यौता निवेद्या
 खतरनाक कानून का गणित है।
 जो कि भूषण से ब्यौता गवधि
 के आधार पर तद होगा कि आशुतोष
 इसकी हकदार है शक्य नहीं।
 लेकिन खतरनाक कानून से रजगन
 काउंटी जारी कीमा जाने का कोई
 आधार नहीं बनता है, क्योंकि जमा
 कोई पत्रावली ब्यौता प्रस्तुत नहीं है
 जिसके आधार पर रजगन काउंटी चारित
 किया जा सके। निवेद्या आशुतोष का
 आवेदन कारहीन तमामों के आधार पर
 होने के कारण खतरनाक कीमा जाता है
 पत्रावली ब्यौता मुक्त जेफ हाकील वरुण (अ)

साहायक कलक्टर
(S.D.O.) बालोचन